पंजाब केसरी 02/12/2025

एड्स को जड़ से खत्म करने के लिए शिक्षा और जागरुकता ही एकमात्र उपाय : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 1 दिसम्बर (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज केरट रिबन क्लब और यूथ रैड क्लॉथस ने ड्रॉप्स का चेंज के सहयोग से विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने डा. राकेश कुमार और डा. सुमन के मार्गदर्शन में एड्स के बारे में जानकारी फैलाने और जागरुकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

कार्यक्रम की सह संयोजक का डा. सुमन ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व एड्स दिवस प्रत्येक वर्ष 1 दिसम्बर को मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 1988 में हुई थी। इस वर्ष की थीम सामूहिक कार्रवाई एच.आई.वी. प्रगति को बनाए रखना और तेज करना, ने एच.आई.वी. और एड्स के खिलाफलड़ाई में सामूहिक प्रयासों के महत्व पर बल दिया।

जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि एड्स को जड़ से खत्म करने के लिए शिक्षा और जागरुकता ही एकमात्र उपाय है। विश्व एड्स दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें नए एच.आई.वी. संक्रमणों को रोकने और विश्व स्तर पर एच.आई.वी. से पीड़ित सभी लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखनी होगी।

उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 38 मिलियन लोग विश्वभर में एच.आई.वी/एड्स से पीड़ित हैं। यह बीमारी अभी तक असाध्य है और इसके लिए जीवन भर उपचार की आवश्यकता होती है। इस दिन का उद्देश्य उन लोगों का समर्थन करना है जो एच.आई.वी. से प्रभावित हैं। इस दिन लोग विश्वभर में उन लोगों को याद करते हैं जिनकी मृत्यु एड्स संबंधी बीमारियों से हुई है।

एच.आई.वी. एड्स के बारे में जागरुक करते स्वयंसेवक। (देवदत्त)

यूथ रैडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डा. राकेश ने बताया कि 1988 में अपनी शुरुआत के बाद से विश्व एड्स दिवस ने एड्स के बारे में जागरुकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और एच.आई.वी. महामारी से प्रभावित जीवन को सम्मानित करने के लिए एक मंच प्रदान किया है।

डा. सुमन व डा. चन्द्रपाल पुनिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए ये आह्वान किया कि एड्स के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, प्रगति को बनाए रखने और तेज करने के लिए कॉलेज छात्रों द्वारा निरंतर प्रयास समाज को जागृत करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कॉलेज द्वारा विश्व एड्स दिवस का आयोजन एड्स के खिलाफलड़ाई में जागरुकता, शिक्षा और समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।